Ref No- January 2020 / 2 Date – 10th January 2020

Programme Report

'हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियाँ' विषय पर व्याख्यान का आयोजन।

दिनांक 10 जनवरी, 2020 को हिंदी विभाग, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय बठिंडा द्वारा 'हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियाँ' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन करवाया गया। डॉ. गुरमीत सिंह, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित हुए।

कार्यक्रम के आरम्भ में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजेन्द्र कुमार सेन, सहायक प्रोफेसर एवं स्थानापन्न विभागाध्यक्ष ने मुख्य वक्ता का औपचारिक अभिनन्दन करते हुए उनका औपचारिक परिचय प्रस्तुत किया और बताया कि अध्यापन के अतिरिक्त डॉ. गुरमीत सिंह का पत्रकरिता के क्षेत्र में दीर्घ अनुभव रहा है। 'धर्मवीर भारती का साहित्य' और 'हिंदी का बदलता परिवेश' नामक दो पुस्तकें लिखने वाले डॉ. गुरमीत सिंह को हरियाणा साहित्य अकादमी का पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

अपने संबोधन में मुख्य वक्ता डॉ. गुरमीत सिंह ने कहा कि हिंदी पत्रकरिता का क्षेत्र अत्यंत व्यापक होने के साथ-साथ चुनौतियों से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को पत्रकारिता के महत्त्व और इसकी उपयोगिता में विश्वास होना चाहिए। हिंदी साहित्य और पत्रकारिता दोनों में गहरा सम्बन्ध रहा है, परन्तु आज के दौर में साहित्य को पत्रकारिता से अलग रूप में देखा जाने लगा है। साहित्य और समाज की अच्छी समझ होने पर ही अच्छी पत्रकारिता संभव हो सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दशकों से हिंदी पत्रकरिता में मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों ही दृष्टियों से वृद्धि हुई है। उन्होंने प्रिंट मीडिया पर अधिक बल देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पत्रकारिता से जुड़ना चाहिए। उन्होंने उस विचारधारा का खंडन किया जिसमें हिंदी को रोमन लिपि में लिखने की वकालत की जाती रही है। उन्होंने पत्रकारिता से सम्बंधित अपने अनुभव साझा करते हुए पत्रकारिता के सामाजिक दायित्व पर भी प्रकाश डाला। संपादक को लिखे जाने वाले पत्रों के महत्त्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को लिखने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसके उपरांत विभाग के दो विद्यार्थियों अजय कुमार और गगनदीप सिंह को यूजीसी की नेट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के उपरांत डॉ. राजेंद्र कुमार सेन, सहायक प्रोफेसर ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में डॉ. अमनदीप सिंह, डॉ. नरेश सिंगला, डॉ. बावा सिंह, डॉ. छवि गर्ग, डॉ. अभिषेक कुमार पाण्डेय, विश्वविद्यालय के लोक संपर्क अधिकारी श्री रोबिन जिंदल के अतिरिक्त हिंदी तथा अन्य विभागों के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।

Dr Gurmeet addressing the gathering (Left), & Organisers presenting a token of Gratitude to Guest Speaker (Right)